स्कूल चलो अभियान

चर्चा में क्यों?

4 अप्रैल, 2022 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में**सबसे कम साक्षरता दर वाले ज़िले श्रावस्ती में** महीने भर चलने वाले '**स्कूल चलो अभियान**' **की शुरुआत** की।

प्रमुख बिंदु

- इसका **उद्देश्य प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना** है।
- इस अभियान के तहत **कम साक्षरता दर वाले ज़िलों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिनमें श्रावस्ती, बहराइच, बलरामपुर, बदायूँ और रामपुर शामिल हैं।**
- मुख्यमंत्री ने विधायकों और शिक्षा विभाग के अधिकारियों से एक-एक स्कूल अपनाने और अच्छी तरह से सुसज्जित पुस्तकालयों, स्मार्ट कक्षाओं, सुरक्षित पेयजल की व्यवस्था, शौचालय आदि जैसी सुविधाओं के संदर्भ में स्कूलों के परिवर्तन की दिशा में काम करने का भी निर्देश दिया।
- गौरतलब है कि **2017 में ऑपरेशन कायाकल्प के शुभारंभ** के बाद से 1.34 लाख प्राथमिक विद्यालयों में पेयजल सुविधा, फर्नीचर, शौचालयों के निर्माण, स्मार्ट क्लास को शामिल करने और मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता में सुधार के प्रावधान के साथ उत्तर प्रदेश में स्कूलों को नया रूप दिया गया है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/school-chalo-abhiyan